
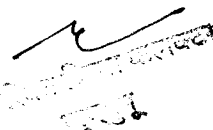

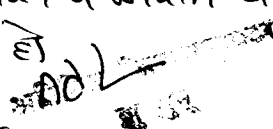
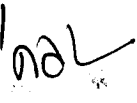


2024/12

अज अदालत...श्री. जिला कलक्टर मुकाम...झुझर
कुमेश सिंह पुत्र मानसिंह शेखावत बनाम भरत सिंह उर्फ आगीरथ सिंह पुत्र मानसिंह शेखावत
 किस्म मुकदमा...प्रार्थना पत्र स्थगन नं...07 सन्...2024

| तारीख हुकम | हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए |
|------------|---|---|
| 25.01.2024 | <p>यह प्रार्थना पत्र स्थगन अधिवक्ता श्री सुरेन्द्र सिंह किशनावत द्वारा पेश करने पर बाद जांच प्रस्तुत हुआ। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अधिवक्ता प्रार्थी के निवेदन पर प्रार्थना पत्र स्थगन पर एक पक्षीय बहस सुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थी का कथन है कि ग्राम गांगियासर में भूमि खसरा नम्बर पुराना 179 तथा नया 474 व 534 मौजूद है जिस संबंध में प्रार्थी के पिता का देहावसन हो जाने के उपरान्त नामान्तरकरण संख्या 639 दर्ज किया गया जिसमें प्रार्थी के पिता का वशंवृक्ष गलत रूप से दर्ज करते हुए उनके पुत्रों में प्रार्थी का नाम अंकित नहीं किया गया एवं इस गलत वंशावली को सही मानते हुए उप तहसीलदार मलसीसर ने दिनांक 19.06.1998 को गलत इन्तकाल दर्ज कर दिया।</p> <p>इस प्रकार वादगत कृषि भूमि में प्रार्थी का भी हक हिस्सा है। परन्तु यदि अपील के लंबित रहते वादगत भूमि को प्रार्थी के अन्य भाईयों द्वारा अन्तरित कर दिया जाता है अथवा इन कृषि भूमियों का कब्जा किसी अन्य को सौंप दिया जाता है तो प्रार्थी को अपूर्णीय क्षति होगी तथा प्रार्थी का प्रकरण में अपील प्रस्तुत करने का औचित्य ही समाप्त हो जायेगा। अतः प्रार्थना पत्र स्थगन स्वीकार कर प्रकरण में प्रस्तुत अपील के लंबित रहने के दौरान वादगत भूमियों की मौके व रिकार्ड की स्थिति यथावत रखी जाने के आदेश पारित किये जाने का निवेदन किया।</p> <p>मेरे द्वारा बहस सुनी गई। अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत अपील में दर्ज तथ्यों का अवलोकन एवं मनन किया गया। प्रकरण में अपील में दर्ज तथ्यों एवं परिस्थितियों को देखते हुए प्रार्थना पत्र स्थगन स्वीकार कर किया जाना उचित प्रतित होता है। अतः प्रार्थना पत्र स्थगन स्वीकार कर प्रकरण में हस्तगत भूमियों खसरा नम्बर 474 व 534 वाके ग्राम गांगियासर की मौके व</p> |  |

| तारीख हुकम | हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए |
|---------------|---|---|
| 26/2/24 | <p>पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक सच द्वारा आज न्यायिक कार्य स्थगन रखा गया है। पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 20/3/24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"> उ. नि. नि. न्यायालय मुंबई</p> | |
| 20/3/24 | <p>दिनांक 25/4/24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"> सीट</p> | |
| 25/4/24 | <p>पत्रावली पेश हुई। व सीट पक्षकारान उप.। पत्रावली में व एस सुनी गई। पत्रावली वाकित निर्णय दिनांक 29/4/24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"></p> | |
| 29/4/24 | <p>पत्रावली पेश हुई। अभिवक्ता उच्चपक्ष उप.। पक्ष में वल अपील में जेसल हो जाने के कारण प्रार्थना पत्र रचना अब साबहित होने से आवीष किया जाता है। आदेश सुनाया गया। पत्रावली जेसल शुक्रर होकर 20 नम्बर को कर हो तथा धारतकमीत साबहित वल अपील रहे।</p> <p style="text-align: center;"></p> | |